नवभारत

FinOlex PIPES

महिलाओं के सक्षमीकरण के लिए सालभर...

Mukul Madhav Foundation

फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज और 'मुकुल माधव' के विभिन्न उपक्रम

नवभारत न्यूज नेटवर्क

पुणे : आठ मार्च को आने वाले विश्व महिला दिवस के मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान और सत्कार किया जाता है. लेकिन केवल एक दिन सम्मान देने की बजाय विभिन्न क्षेत्र की महिलाओं को सक्षम बनाने का कार्य फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज और उनके सीएसआर पार्टनर मुकुल माधव फाउंडेशन की ओर से पूरे सालभर किया जाता है. महिला किसानों को स्वावलंबी बनाना, आदिवासी क्षेत्रों की महिलाओं के लिए 'हॉलिडे होम्स' और ग्रामीण क्षेत्र में शौचालयों का निर्माण, लड़कियों के लिए शैक्षणिक साहित्य और छात्रवृत्ति का वितरण, उन्हें स्कूल तक जाने के लिए साइकल का वितरण, महिलाओं को विभिन्न तरह का कौशल प्रशिक्षण देते हुए उन्हें सक्षम बनाने का कार्य अविरत किया जाता है. फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज और मुकुल माधव फाउंडेशन द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यों का जायजा लेने का यह छोटासा प्रयास....

विधवा महिला किसानों की ओर बढ़ाया मदद का हाथ

बीते कुछ वर्षों में महाराष्ट्र में खेती की बदहाली के चलते किसानों की आत्महत्याएं हो रही है. घर के मुखिया द्वारा अपनी जीवन यात्रा खत्म करने के बाद पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ता है. उस्मानाबाद जिले के कुछ ऐसे ही परिवारों को फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज और मुकुल माधव फाउंडेशन की ओर से मदद का हाथ आगे बढ़ाया गया. इससे जिले की 312 विधवा महिला किसानों में अपने दम पर सफलतापूर्वक खेती कर रही है. 'साईमित्र' और 'पर्याय फाउंडेशन' के सहयोग से सूखाग्रस्त उस्माबाद जिले के कलंब और वाशी तहसील के गांवों में यह उपक्रम चलाया गया. इन महिला किसानों को जमीन अधिग्रहण, खेती प्रशिक्षण, पैकेजिंग, मार्केटिंग के संदर्भ में मदद दी गई. आज इन 312 महिलाओं में 60 प्रतिशत महिलाएं अपना बकाया कर्ज चुकाने और अपने बच्चों को बेहतरीन शिक्षा दिलाने में सक्षम हो गई है. कृषि विज्ञान केंद्र पुणे के साइन्स एंड टेक्नोलॉजी पार्क के सहयोग से इन महिला किसानों को उद्योजकता का प्रशिक्षण दिया गया. इनमें सोया दूध बनाना, शहद उत्पादन जैसे व्यवसायों का समावेश है. खेती पूरक व्यवसाय शुरू करने के संदर्भ में भी विभिन्न तरह का प्रशिक्षण दिया गया. इस प्रशिक्षण के चलते यह महिलाएं इन व्यवसायों द्वारा आत्मनिर्भर बन गई है.

सुप्रकाशिता (स्वयम) प्रकल्प

फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज तथा मुकुल माधव फाउंडेशन का एक और महत्वपूर्ण उपक्रम नाशिक जिले के सिन्नर में चल रहा 'सुप्रकाशिता' उपक्रम है. बायफ इंस्टीट्यूट ऑफ सस्टेनेबल लाइवलीहुड एंड डेवलपमेंट की मदद से ग्रामीण इलाकों के किसान महिलाओं को सक्षम बनाया गया. इस उपक्रम में 100 महिलाओं का समावेश कर उन्हें तकनीकी खेती उत्पादन का उपक्रम चलाया जा रहा है. अब इन 100 महिलाओं को एक हजार महिलाओं को सक्षम बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है. ग्रामीण महिलाओं में खेती के तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है. ग्रामीण स्तरपर सूचना सेवा और उत्पादन को पहुंचाया जा रहा है. इसका नतीजा यह रहा कि, ग्रामीण इलाकों से भी सफल महिलाओं के उदाहरण आगे आ रहे है. सिन्नर परिसर के पास्ते, जामगांव, खापराले, चंद्रपुर जैसे गांवों में विभिन्न उपक्रमों की भरमार है. इन इलाकों की महिलाएं सफल किसानों की श्रेणी में आ रही है. वह अपनी खेती में हरी सब्जियां और फलों का उत्पादन ले रही हैं.

आदिवासी-किसानों को सहयोग

फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज और मुकुल माधव फाउंडेशन की ओर से महाराष्ट्र के आदिवासी लोगों के हितों के लिए विभिन्न उपक्रम चलाए जाते है. फसलों का होने वाला नुकसान, जल संरक्षण की कमी, सूखा और फसलों के गिरते दामों से किसानों की आत्महत्याएं हो रही है. इसमें भी विदर्भ और मराठवाड़ा के किसानों की संख्या ज्यादा होती है. ऐसे इलाकों में फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज कई वर्षों से पाइप और फिटिंग के माध्यम से किसानों और खेती से जुड़ा हुआ है. इसके अलावा बीते 22 वर्षों से मुकुल माधव फाउंडेशन सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए महिलाएं, वंचित तबके के लोगों की उन्नती के लिए प्रयासरत है. किसानों के लिए मददगार साबित होने वाले जलसंवर्धन के उपक्रम चलाए जा रहे है. खेती की जरुरत, किसानों के बच्चों की शिक्षा, छात्रवृत्ति के माध्यम से किसानों को सक्षम बनाने का कार्य मुकुल माधव की ओर से हो रहा है.

'हॉलिडे होम्स' का निर्माण

मासिक धर्म के समय में महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. ऐसे में महिलाओं को मानसिक आधार देने तथा उनके शारीरिक तंदुरुस्ती के लिए फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज और मुकुल माधव फाउंडेशन की ओर से 'हॉलिडे होम्स' तैयार किए गए है. दिसम्बर 2019 में इस उपक्रम की शुरुआत की गई है. महाराष्ट्र के अति पिछड़े जिले गढ़चिरौली में यह उपक्रम चलाया जा रहा है. इस जिले में मासिक धर्म वाली महिला को एक कुछ दिनों तक एक अलग झोपड़ी में रखा जाता है, लेकिन इस झोपड़ी में किसी भी तरह की कोई सुविधा ना होने के कारण मासिक धर्म का समय उनके स्वास्थ्य के दृष्टि से ठिक नहीं रहता है. इसकी जानकारी मिलने के पश्चात फाउंडेशन की मैनेजिंग ट्रस्टी रितू प्रकाश छाबरिया की संकल्पना से 'हॉलिडे होम्स' का निर्माण किया गया. यहां पर मासिक धर्म की दृष्टि से सभी तरह की अत्याधुनिक सुविधाएं स्थापित की गई हैं. आदिवासी इलाकों के लोगों की परंपराओं को दरकिनार किए बगैर यह उपक्रम चलाया जा रहा है. यहां पर महिलाओं का मासिक धर्म का समय शारीरिक और मानसिक तौर पर स्वस्थ गुजरता है. एक हॉलिडे होम में 8 बेड, दो फैन, लाइट, बाल्कनी, स्वच्छतागृह रहते है. सैनिटाइजेशन की पूरी व्यवस्था रहती है.

कौशल प्रशिक्षण तथा छात्रवृत्ति

महिलाओं को सक्षम बनाने की दृष्टि से मुकुल माधव फाउंडेशन की ओर से कई सारे उपक्रमों का क्रियान्वयन होता है. इसमें सिलाई काम एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. खेरवाड़ी सोशल वेलफेयर एसोसिएशन की मदद से सिलाई मशीन का प्रशिक्षण, बुनकरी प्रशिक्षण, साड़ियां-पेटीकोट की सिलाई, बच्चों के कपड़ों की सिलाई, मास्क, सैनिटरी नैपकिन, कपड़ों के थैले बनाने का प्रशिक्षण महिलाओं को दिया जाता है. लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए सरकारी कृषि महाविद्यालयों की छात्राओं को छात्रवृत्ति, उद्योग-व्यवसाय शुरू करने की इच्छुक महिलाओं को प्रोत्साहन और बचत गुट की महिलाओं को हर तरह की मदद, साहसपूर्ण कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान करने का कार्य फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज और मुकुल माधव फाउंडेशन की ओर से किया जाता है.

फाउंडेशन की ओर से एचआईवी पॉजिटिव महिलाओं को पोषण आहार और देहव्यवसाय करने वाली महिलाओं के पुनर्वास के लिए नियमित तौर पर समुपदेशन किया जाता है. इसके अलावा उन्हें हर महीने जीवनावश्यक वस्तुओं की मदद दी जाती है. एचआईवी पॉजिटिव महिलाओं को सिलाई मशीन भी दी जाती है. इन महिलाओं ने अंतरराष्ट्रीय ब्राण्ड 'कश्का' बनाया है. आईटीआई की पढ़ाई करने वाली युवतियों को प्लम्बिंग का प्रशिक्षण दिया जाता है.

इसके अलावा अशिक्षित वरिष्ठ महिलाओं के लिए 'आजीबाईची शाळा' उपक्रम चलाया जाता है. जुन्नर तहसील के 100 महिलाओं को इसके तहत शिक्षा दिलाई गई है. ग्रामीण इलाकों के लड़कियों को प्रोत्साहित करने के लिए सोलापुर जिले के 100 महिलाओं को साइकलों का वितरण किया गया. स्वास्थ्य की दृष्टि से कैन्सर इलाज, मैमोग्राफी और विभिन्न तरह के जांच सिविर आयोजित किए गए.

ग्रामीण-शाश्वत विकास का लक्ष्य

फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज और उसके सीएसआर पार्टनर मुकुल माधव फाउंडेशन की स्थापना १९९९ में हुई. पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के तहत पंजीकृत मुकुल माधव फाउंडेशन की ओर से शाश्वत, दूरगामी आणि उच्च क्वालिटी प्रकल्पों पर अमल करने की परंपरा को स्थापित किया है. महिला सक्षमीकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक विकास, स्वच्छता, कौशल विकास, जल संरक्षण, ऐसे सप्तचक्र को सामने रखते हुए फाउंडेशन का कार्य चल रहा है. ग्रामीण-शहरी इलाकों के जरुरतमंद लोगों तक मदद पहुंचाने का कार्य हो रहा है. शाश्वत विकास हर एक व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए खुद मैनेजिंग ट्रस्टी रितू छाबरिया बारीकी से ध्यान रखती हैं. फिनोलेक्स के हर उपक्रम में अंतिम लाभार्थी को लाभ दिलाने की चाहत दिखाई देती है. इन प्रयासों से कई आज लोगों का जीवन तेजी से उन्नती की ओर बढ़ रहा है.

"फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज, मुकुल माधव फाउंडेशन के पारदर्शी सेवा के चलते कई संस्थाओं से उनका सम्मान हुआ है. सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए हमारे सभी कर्मचारी और सदस्य बेहतरीन कार्य कर रहे है. विभिन्न उपक्रमों में वे शामिल होते है. हर एक उपक्रम को पूरी मेहनत से अमल में लाते है. जिसका लाभ प्रत्यक्ष लाभार्थी को होता है.

– प्रकाश प्रल्हाद छाबरिया, कार्यकारी अध्यक्ष, फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज

"समाज के पिछड़े और वंचित घटकों के चेहरों पर मुस्कान लाने तथा उसके जीवन मे आनंद लाने की दृष्टि से फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज, मुकुल माधव फाउंडेशन की ओर से पूरी ईमानदारी से प्रयास किए जा रहे है. महिलाओं की समस्याओं को सुलझाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का हम प्रयास कर रहे है. पूरे ग्रामीण विकास की दृष्टि से काम करना और लोगों का जीवन खुशहाल, समृद्ध बनाना यह हमारा अंतिम लक्ष्य है. इसी के लिए हम कार्य करते रहेंगे.

– रितू प्रकाश छाबरिया, मैनेजिंग ट्रस्टी, मुकुल माधव फाउंडेशन

आदिवासी गांवों में किया शौचालयों का निर्माण

मुंबई से 115 किलोमीटर पर स्थित पालघर जिले के आदिवासी गांवो में 2017 से स्वच्छता और जल संरक्षण और संवर्धन का कार्य किया जा रहा है. यहां के लोगों के स्वास्थ्य की दृष्टि से खेरवाड़ी सोशल वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से विभिन्न चरणों में सोनाले, वडवली, विहरे, कीव, करगांव, केलटन, सांगेनाने इन गावो मे 559 शौचालयों का निर्माण किया गया है. आधुनिक शौचालयों के निर्माण से यह गांव पूरी तरह से खुले शौच से मुक्त हो गए है. यहांपर हिंदुजा फाउंडेशन, जेडएफ गीयर्स इन संस्थाओं का अच्छा सहयोग मिल रहा है. यहां के किसानों के लिए तीन गावों में जलसंरक्षण का कार्य चल रहा है. इसके तहत नालो पर बांध, पानी के टंकी का निर्माण किया गया है. इससे विहरे, झाडखैरे, कीव इन गावों के हजारो लोगों को फायदा हो रहा है.